



नरिंजन कुजूर की वजिजापन फ़िल्म 'द सिपटिगि वॉल'को मिला ABBY'S Award

चर्चा में क्यों?

28 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के युवा फ़िल्मकार नरिंजन कुजूर के वजिजापन फ़िल्म 'द सिपटिगि वॉल'को वजिजापन जगत का प्रतिष्ठित पुरस्कार एबीजे अवॉर्ड (ABBY'S Award) गोवा फेस्ट के दौरान दिया गया।

प्रमुख बंदि

- यह अवॉर्ड एडवरटाइजिंग क्लब के 54वें संस्करण में दिया गया। वजिजापन जगत में इसे साउथ एशिया का सबसे बड़ा अवॉर्ड माना जाता है।
- नरिंजन कुजूर की यह एड फ़िल्म 'नो टोबैको डे'के दिनि रलीज हुई। यह एक डिजिटल एड फ़िल्म है जिसे सोशल मीडिया में साल 2022 में रलीज किया गया था।
- नरिंजन कुमार ने बताया कि 'द सिपटिगि वॉल'वजिजापन को डाबर रेड पेस्ट के सहयोग से बनाया गया है।
- एड फ़िल्म को स्पेशलसिट कैटेगरी में कॉउज मार्केटिंग के लिये पुरस्कार दिया गया। एड फ़िल्म की शूटिंग कोलकाता और नोएडा में हुई है।
- एड फ़िल्म का उद्देश्य पान-गुटखा खाने वाले को जागरूक करना है। एक कृत्रमि वॉल को जरिया बनाकर बहुत ही खूबसूरती के साथ इस वजिजापन में आम लोगों को तंबाकू सेवन से बचने की सलाह दी गई है।
- नरिंजन वर्ष 2020 से एड फ़िल्म बना रहा है। अब तक उसने पाँच एड फ़िल्म बनाई है, जसिमें से दो को अवार्ड मिला है।
- 'द सिपटिगि वॉल' को अब तक दो पुरस्कार मिल चुके हैं। एड गली का मोबेक्स अवॉर्ड भी इस फ़िल्म को मिला है। इसके अलावा 'डाबर रत्नपराश' को इकोनोमिक्स टाइम्स का बेस्ट यूज्ड ऑफ कंटेंट मार्केटिंग का अवार्ड भी मिला है।
- वदिति है कि राज्ज के युवा फ़िल्मकार नरिंजन कुजूर की कुडुख भाषा में बनी फ़िल्म 'एडपा काना'को नॉन फीचर फ़िल्म कैटेगरी में बेस्ट ऑडियोग्राफी के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानति किया जा चुका है।
- उल्लेखनीय है कि नरिंजन कुजूर झारखंड के लोहरदगा ज़िले के रहने वाले नदिशक और पटकथा लेखक हैं। अब तक नरिंजन ने कुडुख, हनिदी, बांग्ला और संताली भाषा में फ़िल्म बनाई है।
- हाल ही में नरिंजन ने बांग्ला में शार्ट फ़िल्म 'तीरे बंधो ना'बनाई है, जिसे केरल के IDSFFK aur SiGNS फ़िल्म फेस्टिविल में दिखाया जाएगा। उसके बाद इसे कोलकाता में South Asian Short Film Festival (SASFF) में भी दिखाया जाएगा।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/niranjan-kujur-s-ad-film-the-spitting-wall-bags-abby-s-award>

